



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

बा. 31]

No. 31]

नई विलासी, शुक्रवार, अक्टूबर 26, 1984/कार्तिक 4, 1906

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 26, 1984/KARTIKA 4, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
[आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचनाएं]

कानपुर, 8 अक्टूबर, 1984

निदेश न० एम-400/84-85:— अतः मुझे जै० पी. हिलोरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269ब के अधीन संकलन प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट
है तथा जो ज्वाला पुर में स्थित है (और इसे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-83

1011 GI/84—1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269G के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269G को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश कुमार मेहता एवं संजय कुमार मेहता
सुनुत श्री आनन्द प्रकाश मेहता
निः सेखर नाथ नगर, हरिद्वार (अन्तरक)
2. केशव दास जैन सुनुत स्व. श्री शेखर चन्द्र जैन
महतान, पो. ज्वाला पुर, हरिद्वार
जिला-सहारनपुर (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरित के पास लिंगित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत स्थित ग्राम ज्वालापुर

तारीख : 8-10-84

मोहर

after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Nil situated at Jawalapur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar under registration No. 9 dated 2-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Rakesh Kumar Mehta & Shri Sanjay Kumar Mehta S/o Dr. Anand Prakash Mehta R/o Sarwan Nath Nagar Haridwar. (Transferor)
2. Shri Kesavdas Jain S/o Late Sri Shekhar Chand Jain R/o Mahtan Jawalapur Distt. Saharanpur. (Transferee).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX (ACQUISITION RANGE)

[NOTICES UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)]

Kanpur, the 8th October, 1984

M-400/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-

SCHEDULE

Agriculture Land At Jwalapur.

Date : 8-10-84

SEAL

निदेश नं० एम- 283/84-85:—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्च त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन संग्रह प्राधिकारी का यह विश्व संकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस हा उच्चत बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 6/69 है तथा जो राजनगर गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख 3-2-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान, प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरकती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : -

- श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सुनुव स्व. श्री प्रेम रानीरदण निं० गुलाबटो, जिला -बुलन्दशहर (अन्तरक)
- श्रीमती अन्ज अग्रवाल पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल निं० गुलाबटो, जिला बुलन्दशहर वर्तमान पता-बलाक आर-6/69, राज नगर गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के इर्जन के लिए कार्यवाहिया शुल्क करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के इर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी अस्तिप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तरीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हत-बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहन भरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्टॉटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अ यहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित राज नगर, जिला-गाजियाबाद

तरीख : 8-10-84

मोहर :

M-283/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 18958 situated at Raj Nagar, Gaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad under registration No. 18958 dated 3-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Rajendra Prasad Agrawal S/o Late Sri Prem Narain R/o Gulawadi, Distt. Bulandshahar. (Transferor)
2. Smt. Anju Agrawal w/o Shri Rajendra Prasad Agrawal Gulawadi, Distt. Bulandshahar. Present Address : R-6/69 Raj Nagar, Gaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEQUE

House at Raj Nagar, Distt. Gaziabad.

Date : 8-10-84

SEAL

कानपुर, 10 अक्टूबर, 1984

निदेश सं० एम 486/84-85 :— अतः मुझे जे. पी. हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जेसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० के० के० 39 है तथा जो कविनमर गा. बाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गि.जियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीम चन्द्र पुन्न कालूराम
नि. आर-6/34 राज नगर, गाजियाबाद
(अन्तरक)
2. श्री नर्थो लाल शर्मा पुन्न श्री पूरन चन्द्र शर्मा
नि. 209 कमला नेहरू नगर, गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यय हियो शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मापात होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा भ्रोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आय-
कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. के०के०-39 कवि नगर, गाजियाबाद

तारीख : 10-10-84

मोहरः

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए],

Kanpur, the 10th October, 1984

M-486/84-85.—Whereas, I, J. F. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 39 situated at Kavi Nagar, Gaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the competent authority u/s. 269 AB of in the office of the Registering Officer at Gaziabad the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 18,296 dated 27-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the relation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Harish Chandra S/o Shri Kalu Ram R-6/34, Raj Nagar, Gaziabad (Transferor)
2. Shri Nathi Lal Sharma S/o Shri Puran Chand Sharma 209, Kamla Nehru Nagar, Gaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Kavi Nagar, Gaziabad.

Date : 11-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं. एम-480/84-85 :—अतः मुझे
हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं.सी 101 है तथा जो गाबाद में स्थित है (और इससे उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्राप्तफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्राप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती दानकौर पदम पत्नी
मलागरसिंह पदम, भूतपूर्व-नि. एफ 11/12 कृष्णा नगर
नई विस्लो-51 (अन्तरक)
2. श्रीमती कमला रानी पत्नी श्री मेहर चन्द व श्री विनोद कुमार, अशवनी कुमार सुपुत्र मेहर चन्द नि. 316 गली मिथु लाल रेलवे रोड खजोरिया जि.- गजियाबाद (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं: 2 सी 101 नेहरू नगर गजियाबाद।

तारीख: 10-10-84

मोहर:

(जो सागू न हो उसे काट दीजिए)

M-480/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. C-101 situated at Nehru Nagar, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the competent authority u/s 269 AB of in the office of the Registering Officer at Gaziabad the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 17612 dated 17-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Dan Kaur Padam W/o Malager Singh Padam, F-11/12, Krishna Nagar, New Delhi through Shri Dalbir Singh (Transferor)
2. Smt. Kamla Rani W/o Shri Mehar Chand & Others, 316, Gali Mithu Lal, Railway Road, Gaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Nehru Nagar, Gaziabad.

Dated : 11-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम. 460/84-85.—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो श्याम नगर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री अनन्द सिंह सुपुत्र श्री मटु शिंह
पीलखोरी रोड-मेरठ (अन्तरक)

2. श्री आर. सी. वैद्य, कलकत्ता हैम्डलम
इण्डोरियम खण्डक बाजार-मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ पुरु करता है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्याम नगर-मेरठ

तारीख : 10-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उस काट दीजिए]

M-460/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Shyam Nagar, Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the competent authority u/s 269 AB of In the office of the Registering Officer at Meerut the said Act read with rule 48DD of Income-tax rules 1962 under registration No. 901 dated 19-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed

by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Chander Singh
S/o Matru Singh
R/o Pillkhori Road, Meerut (Transferor)
2. M/s. Calcutta Handloom Emporium,
Khandak Bazar, Meerut (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Situated at Shyam Nagar, Meerut.

Date : 10-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश नं० एम. 447/84-85.—अतः मुझे, जे० पी० हिमोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 271, 272 है तथा जो औरंगशाहपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री कार्यालय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-1-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दाता राम मालिक पुत्र चौधरी बलदेव सिंह, 53 साकेत, मेरठ (अन्तरक)
2. जनक पुरी सहकारी आवास समिति लि. द्वारा श्री कदम सिंह ढाका व श्री विग्न्वर सिंह साकिनान शास्त्री भगर, गढ़ रोड मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाता नं. 271, 272, मौजा-औरंगशाहपुर, जि.-मेरठ

तारीख: 11-10-84

मोहर:

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-447/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 271, 272 situated at Aurangshahpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 1402 dated 17-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Data Ram Malik
S/o Shri Chaudhary Baldeo Singh
53, Saket, Meerut (Transferor)

2. M/s. Janakpuri Sahkari Avas Samiti Ltd. through Shri Kadam Singh Dhaka, Shastri Nagar, Garh Road, Meerut (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land at Aurangshahpur.

Date : 11-10-84

SEAL

[Strike off where not applicable].

निरेण नं० एम. 439/84-85.—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के आधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 134 है तथा जो रामपुर खेड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 24-2-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) या अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजगिर, सुपुत्र किरतगिरी उर्फ किनार्गिर, नि. रामपुर खेड़ी बुढाना, मुजफ्फरनगर (अन्तरक)
2. मान सिंह व करण सिंह व प्रेम सिंह, सुपुत्र सुन्तान गुजर, जमाला ग्रा०-रामपुर खेड़ी, पा०. काँधला (बुढाना) जि. मुजफ्फरनगर (अन्तर्श्री)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हैं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाता नं. 134, स्थित रामपुर खेड़ी, जि. मु. नगर

तारीख: 10-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।]

M-439/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 134 situated at Rampur Kheda (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana under registration No. 1040 dated 24-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferer(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Rajgir
S/o Shri Kiratgiri
Vill. Rampur Khedi (Transferor)
2. Shri Man Singh, Karan Singh & Others, Jasala (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land as Rampur Khedi.

Date : 11-10-84

SEAL

[Strike off where not applicable.]

निदेश नं० एम-399/84-85 —अन्त मुझे, ०पी० हिलारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 279 खं के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्मा उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो खड़खडी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांलिय ज्वालापुर, हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पक्के प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या निमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छपान में सुविधा के लिये।

अन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमति में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम प्रकाश मेहरा, पुत्र दीवान चन्द नि. पजाब सिन्धु खट्टीकोप जिला-देहरादून (अन्तरक)

2. श्री मरदार गुरुबर्द्ध सिह, पुत्र स्व. सरदार दुनी मिह नि. प्रावेट गली, खड़खडी हरिद्वार, ज्वालापुर, जि. सहारनपुर (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिये कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में काई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या निम्नवर्थी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुमूली

स्थित —खड़खडी-हरिद्वार-सहारनपुर

तारीख : 11-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-399/84-85.—Whereas, I, J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Haridwar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar under registration No. 10 dated 2-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Ram Prakash Mehra,
S/o Shri Diwan Chand Mehra,
Senior Vice President, Punjab Sindh Chetra
Rishikesh.
(Transferor)
2. Shri Sardar Gurbux Singh,
S/o Late Shri Sardar Dunn Singh,
Khadkhadi Haridwar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Khadkhadi, Haridwar.

Date : 11-10-84

SEAL

[Strike off where not applicable.]

निदेश नं० एम. 384/84-85 :—अतः मुझे, ज० पी० हिलौरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पार्श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब० के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15 है तथा जो कृष्ण नगर, देहरादून में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि नियम, घिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधि नियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तारयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा यांग यांग प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा. श्री मदन मोहन मेहता, पुत्र एल० हरवंश लाल नि. 27स०, छक्रता रड़, देहरादून
(अन्तरक)
2. श्री जे.पो. जैन, पुत्र
श्री एच. सी. जैन, एडमिनिस्ट्रेटिव आफिसर
आ०. एन. जौ. सौ०, तेल भवन, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूची

पुराता नं. 3 बो (न्यू न. 15), कृष्ण नगर, देहरादून

तारीख : 11-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-384/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 15 (New) situated at Krishna Nagar D. Dun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the Competent Authority u/s. 269 AB of in the office of the Registering Office at Dehra Dun the said Act read with 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 171 dated 5-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Dr. Madan Mohan Mehta
S/o L. Har Bans Lal
R/o. 27-C, Chakrata Road, Dehra Dun
(Transferor)
2. Shri J.P. Jain
S/o Shri H.C. Jain Administrative officer
O.N.G.C. Tel Bhawan, Dehra Dun (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House Property No. 3-B/1 (old) New No. 15
Krishna Nagar, Dehra Dun.

Date : 11-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

कानपुर, 16 अक्टूबर, 1984

निदेश नं. एम- 487/84-85.—ग्रतः मुझे, जे.पी. इस्यारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक है और जिसकी सं. 710 है तथा जो वहमपुर में स्थित है (और इससे उपायद अनुपूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में दृई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नगी करने वा उसमें वचने में सुविधा के लिये और/या

(ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् ।—

1. श्रीमती हरचंद्री देवी पत्नी श्री भगवत सिंह नि.-शरीफा बाद, राजपुर, प. लोनी जि.-गाजियाबाद (अन्तर्गत)
2. वायु मेना हिन्दू सहकारी आवास समिति लि. वायु मेना कैम्पस हिन्दू द्वारा श्री केंड्रिंग दीक्षित सभापति बहमपुर-लोनी गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्स्वधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं. 710, ग्राम बहमपुर, लोनी, गाजियाबाद तारीख : 16-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिये]

Kanpur, the 16th October, 1984

M-48784-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 790 situated at Bahampur (and more fully des-

cribed in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the Competent Authority u/s. 269AB in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 17550 dated 16-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Harchandi Devi
W/o Bhagwat Singh
R/o Sarifabad, Rajpur, Pargana-Loni, Distt.
Ghaziabad. (Transferor)
2. Shri K.D. Dixit
Air Servico Hindan Sahkari Awas Samiti
Ltd. Oyou Sena Campus Hindan, Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 710, Bahampur, Ghaziabad.

Date : 16-10-84

SFAI

[Strike off where not applicable.]

निदेश नं० एम. 488/84-85—अनु: मुझे, जे. पी. हिलोरी, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी म० 10/94 है तथा जो 7/94 ब्लॉक 7 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-84 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावजूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में मुविधा के लिए।

अनु: अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री देश राज गुलानी, एल्यास देशराज अरोड़ा पुत्र श्री आशा नन्द गुलानी, नि. 7/94 भेक्टर-2, राजेन्द्र नगर, साहियाबाद, (गाजियाबाद), (अन्तरक)
- श्री मुरेन्द्र कुमार देवा पुत्र श्री के. पी. देवा, [नि. बी 105 सूर्यनगर, गाजियाबाद-यू.पी. (अन्तरिती)]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन

के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं 7/94, ब्लॉक (7), राजेन्द्र नगर, साहियाबाद गाजियाबाद।

तारीख 16-10-84

मोहर:

जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

M-488/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 7/94 Block B7 situated at 7/94 Block 7 (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the Competent Authority u/s. 269AB in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 17798 dated 19-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Des Raj Gulani Alias,
Des Raj Arora, S/o Shri Ashanand Gulani,
R/O 7/94 Sector II Rajender Nagar,
Sahibabad, Ghaziabad (Transferor)
2. Shri Surender Kumar Dave,
S/o Sh. K. G. Dave,
R/O B-105, Surya Nagar,
Ghaziabad, (U.P.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 7, Block (7) Rajender Nagar, Ghaziabad.

Date : 16-10-84

SEAL

—Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-490/83-84.—अतः मुझे, जे. पी. दिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व्य के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० D/12 है तथा जो जगनपुर बंदन नगर कालोनी में स्थित है (श्री इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनत्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण

है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिष्ठित से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व्य के अनुसूचण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व्य की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

1. श्री एम. के. मोदवेल पुत्र श्री के. पी. मोदवेल नि.-21 गोतम पाली, लखनऊ, यू. पी. . . (अन्तरक)

2. मै. दिल्ली टावर्स प्रा. लि. 115, अंसल भवन, 16 के.जो. मार्ग, न्यू दिल्ली-110001. (अन्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित है, वही अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

प्लाट नं. डी-12, चन्दन नगर कालानी, गाजियाबाद।

तारीख 16-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M—490/84-85:—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. D. 12 situated at Chandan Nagar Colony (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 89 dated 12-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. S. K. Modwel
S/o Shri K. P. Modwel,
R/O 21, Gautam Palli, Lucknow (UP)
Lucknow (U.P.) (Transferor)
2. M/s. Delhi Towers (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan 16 K. G. Marg,
New Delhi -110001 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

1011 GI/84-3

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein-
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

SCHEDULE

Residential House on Plot No. D-12
Chandan Nagar Colony, Ghaziabad (U.P.)

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable

निवेश नं. एम. 500/84-85.—ग्रत : मुझे, जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 115 है तथा जो मनुद्वं नगर, गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम,

1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री जगत नाथ, श्री राम व आशा राम त्यागी मुकुन्द नगर, गाजियाबाद. (अन्तरक)

2. हिन्दन रिवर सहकारी आवास समिति लि., साहिबाबाद, गाजियाबाद, 115 मुकुन्द नगर, गाजियाबाद. (अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के श्रज्जन के लिए कार्यवाहियां युरु करता है। उक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रा. भकनपुर, जि. गाजियाबाद

तारीख : 16-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M—500|84-85 :—Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 115 situ-

ated at Mukund Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 890 dated 24-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transference(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Jagat Nath, Shri Ram Asha Ram Tyagi, Mukund Nagar, Distt. Ghaziabad (Transferor)

2. Hindan River Sahkari Awas Samiti Ltd., Shahibabad, 115, Mukund Nagar Ghaziabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Village—Makanpur, Distt Ghaziabad.

DATE : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-483/84-85.—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० एस. ए-11 है तथा जो शास्त्रीनगर, गा. बाद में स्थित है (और इससे उपाष्ठद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश कुमार पुत्र श्री धगवान चन्द, नि. एस. ए-53 शास्त्रीनगर कालोनी, गाजियाबाद . . . (अन्तरक)

2. श्रीमती वीना देवी पस्ती श्री मंग लाल गोयल, नि. -5 डासना रोड, गाजियाबाद . . . (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिओद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाट नं. एस ए-11 शास्त्रीनगर, गाजियाबाद।

तारीख : 16-10-84

मोहर .

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-483/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilor, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. S.A.-11 situated at Shastri Nagar (G. Bad) (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 17998, dated 23-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer or/and
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Rakesh Kumar
S/o Bhagwan Chand
R/o S. A. 53 Shastree Nagar Colony,
Ghaziabad. (Transferor)
2. Smt. Veena Devi
W/o Shri Mangoo Lal Goel
R/o 5, Dasna Road, Ghaziabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. S. A-11, Shastree Nagar, Ghaziabad.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. एम-484/84-85:—अतः मुझे, जे.पी.० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. के. एफ-55 है तथा जो कवि नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री बसंत लाल मेहरोत्ता पुत्र जगतराम, नि.-25, एन. डी एस. ई पार्ट-1 (हाउसिंग सोसायटी, नई दिल्ली) वर्तमान पता-के. एफ.-55 कवि नगर, गाजियाबाद (अन्तरक)

2. मैं. नवरंग थियेटर्स प्रा. लि., 1556 दीपार
महल, फिल्म कालोनी, चादरी चौक, दिल्ली (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति न
अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी
आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के
द्वारा ।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

स्थित के. एफ.-55 ब्लॉक एफ, कवि नगर कालानी,
गाजियाबाद ।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-484/84-85 :—Whereas, I, J. P. Hilori, being
the Competent Authority authorised by the Central
Government in this behalf under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter
referred to as the said Act, have reason to believe
that immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K. F. 55
situated at Kavi Nagar (and more fully described in
the schedule below) has been transferred and regis-
tered under the registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at Ghaziabad
under registration No. 18049 dated 23-1-84 for as
apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the transferor(s) and transferee(s) has not
been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income aris-
ing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have
not been or which ought to be disclosed
by the transferee for the purposes of the
Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)
or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisi-
tion of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Basant Lal Mehta
S/o Jagat Ram,
R/o 25 N D. S. E. Part-I Housing Society
New Delhi P. Address K F-55 Kavi Nagar,
Ghaziabad (Transferor)

2. M/s. Nawrang Theaters (P) Ltd. 1556
Depak Mahal Film Colony Chandni Chowk,
Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette
or a period of 30 days from the service of
the notice on the respective persons which-
ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter

SCHEDULE

K F 55 Block F, Kavi Nagar Ghaziabad

Date 16-10-84

SEAL

Strike off where not applicable.

निदेण नं० एम-473/84-85:—अतः मुझे, जै० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सम्पत्ति कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- से अधिक है और जिसकी सं० प्लाटनं. 30 है तथा जो लंडोरा हाउस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-1-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अनु उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अम्तो देवी पत्नी श्री मोती लाल नि. नं. बड़ा जोगीवाड़ा अपर रोड हरिद्वार प्र. ज्वालापुर जि. शहरानपुर (अन्तरक)

2 श्री भगवानदास, सत्यप्रकाश दस्ट ए-1 सी. सी. कालोमी देहली-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयितां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोईभी :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से 1कसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानाधीन के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं. 30 स्थित लंडोरा हाउस, मोती नगर, हरिद्वार ।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-473/84-85 :—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30 situated at Londora House (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar under registration No. 232 dated 10-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Anto Devi W/o Shri Moti Lal,
R/o Bara Jogi Bara Uper Road Hardwar-
Jwalapur, Shaharanpur. (Transferor)

2. Shri Bhagwandas Saty Prakash Trust
A.J.C.C. Colony Delhi-7 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plat No. 30, Landora House

Date : 16-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-474/84-85:—अतः मुझे, जे०पी० हिलीरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो भोपत वाला कलां में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हारिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी अन्य या किसी धन या अन्य आमिन्यों की जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमत्रण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी श्री इन्द्र राज शर्मा नि.—मुन्नीमपाल कालोनी मायापुर-हरिद्वार डा खाम—म्बालापुर-महाराजपुर (अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र गुजराल पुत्र श्री सोमनाथ गुजराल नि.—मुभाष घाट नगर व पो. -हरिद्वार प्र- ज्वाला पुर जि. -महाराजपुर. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थित भोपत वाला कलां ।

तारीख: 16-10-84

मोहर:

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-474/84-85 :—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Bhopal-wala Kala (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar under registration No. 174 dated 20-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe. as agreed to between the transferor(s) and transfrce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Muni Devi W/o Indra Raj Sharma,
R/o Munisapal Colony, Mayapur,
Haridwar Post-Khash-Pargana-Jwalapur
Distt. Shaharanpur (Transferor)
2. Shri Ramesh Chand Gujral
S/o Shri Some Nath Gujral,
R/o Subhash Ghat Nagar,
Post-Haridwar, Jwalapur,
Shaharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Bhopat Wala Kala.

Date : 16-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. एम-458/84-85—अल: मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. है तथा जो मुरारी पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कायलिय मेरठ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-84 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था

गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुकसा के लिए।

अत., अब, उक्त अधिनियम को धारा 269A के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A को उपधारा (1) के अधारान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनुल कुमार, श्री अजय कुल्लू, 42, शिवाजी रोड, मेरठ ... (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश शर्मा, श्रीमति उषा शर्मा 2/678, राम नगर, सहारनपुर ... (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के माध्यम में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धिक्रिया में किए जा सकेंगे।

म्यांडीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति मुरारी पुरम अमरपाली सिनेमा के पीछे, 1525 गज का नाट।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-458/84-85 :—Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No., situated at Bhojpur (and more fully described in the Scheduled below) has been transferred and registered under the registration Act,

1011 QH/84-4

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 947 dated 20-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1. Shri Autul Kumar, Shri Ajai Kirshan 42, Shivaji Road, Meerut (Transferor)
- 2. Shri Om Prakash Sharma, Smt. Usha Sharma R/o 2/678, Ram Nagar, Saharanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Murari Puram Amar Pali Cinema Behind (Plot)

Date : 16-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निवेदन नं० प्रभ-442/84-85.—यथा: मुझे, जे वा. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं। 363/2 है तथा जो कुन्डा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्ध्यमान प्रतिफल के पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है, अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही निम्नी आय की बाधत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

- कुमारी प्रतीमा अंसल, पुत्री श्री कैलाश चन्द नि. पटेल नगर, मेरठ (अन्तरक)
- मैं यू.पी. डाईग एंड मिट्स, वर्क्स नौकरी आउन्ड, मेरठ शहर द्वारा पार्टनर श्री शीर्पक रसोनी 47, जी एम रसोनी, नि.-मुमाल बाजार, मेरठ (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मूरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय:—

(क) इग सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तन्मत्वात्मी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इम सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरों के पास निवित में किए जा सकेंगे।

पृष्ठांकन:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

363/2 ग्र.म कुण्डा, जिला मेरठ

तारीख: 16-10-84

मोहर:

(ओ लाग् न हो उसे काट दीजिए)

M-442/84-85.—Whereas, I, J. P. Hillori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 363/2 situated at Kunda (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 531 dated 11-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Km. Partima Bansal
D/o Shri Kailash Chand
R/o Patel Nagar, Meerut (Transferor)
2. U. P. Dyeing and Printers Works, Now-Chandi Ground, Meerut through—Partner Shri Dipak Rastogi, 47, G. S. Rastogi, Subhash Bazar, Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

363/2 Village Kunda, Distt. Meerut.

Date : 16-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-443/84-85 —अत. मुझे, जे पी फ्लॉरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वाले के अधीन सभग्रहीय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि राष्ट्रवाद सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी मं. 363/2 है तथा जो कुन्डा में स्थित है (और इसमें उपाधि अनुमती, मेरठ में श्रीरामपुर रस्तोंगी में श्रीरामपुर रस्तोंगी में अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 11-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत रा

प्रधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269 वाले के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वाले की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

1. श्री आदेश कुमार पुत्र कैलाण चन्द बंसल
नि. पटेल नगर, मेरठ (अन्तरक)
2. श्री दीपक रस्तोंगी पुत्र श्री जी एम. रस्तोंगी
नि. मुम्पप बाजार, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पार्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

363/2 कुन्डा ग्राम, जि. मेरठ

तारीख : 16/10/84

मोहरः

(जो लागू न हो उसे कट दीजिए)

M-443/84-85 :—Whereas, I, J. P. Hillori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 363/2 situated at Kunda (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the Competent authority u/s 269AB of in the office of the Registration Officer at Meerut the said Act read with rule 48DD of Income-tax rules, 1962 under registration No. 532 dated 11-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Adesh Kumar
S/o Kailash Chand Bansal
R/o Patel Nagar, Meerut (Transferor)
2. Shri Depak Rastogi
S/o Shri G. S. Rastogi,
R/o Subhas Bazar Meerut (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

363/2, Village—Kunda, Distt—Meerut.

Date : 16-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निम्न नं. एम. 401 :—अतः मुझे जे. पी. हिसोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 115 है तथा जो 13-1-84 में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए

अतः प्रब्लेम युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महन्त नरायण दास, शिल्प महन्त मोहन दासजी,
नि. श्रवण नाथ नगर, मायापुर, हरिद्वार

(अन्तरक)

2. श्री श्यामलाल मित्तल पुत्र स्व. चमनलाल व श्रीमती
सकुन्तला देवी धर्म पत्नी श्री श्याम लाल मित्तल,
नि. श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंकड़ा —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मरण स्थित श्रवण नाथ नगर मायापुर, हरिद्वार

तारीख : 16-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-401/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Mayapur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar under registration No.

115 dated 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Mahant Narayan Das Sisya,
Mahant Mohan Das
R/o Sarwan Nath Nagar, Mayapur
Haridwar (Transferor)

2. Shri Shyam Lal Mittal
S/o Chaman Lal, Smt. Sakuntala Devi
W/o Shri Shyam Mittal,
R/o Sarwan Nath Nagar,
Haridwar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House Sarwan Nath Nagar Mayapur,
Haridwar

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-406/84-85 :—भ्रतः मुस्ते जे. पी. हिलोरी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की तारीख 269B के अधीन सम्पत्ति प्राप्तिकारी को यह विषयाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 92 है तथा जो हसनपुर भोवापुर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). अधिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय द्वारा में अधिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और न्यून यह विषयाग करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त प्रस्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) प्रस्तरण में हूँड़े जिसी आय की बाबत, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उपरे बचों में सुविधा के लिए प्रतीक्षा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी श्रम या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनमें मुविदा के लिए

भ्रतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269B के प्रस्तरण में, मैं उत्तर अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रत्यक्षतः :—

1. श्री प्रभू रत्नाय पुत्र गजनीरता निं०हसनपुर, भोवापुर, प्र.-लानी डा. न्यू स-जि. गाजियाबाद (अन्तरक)
2. श्री ग्राशा पुष्प विहार महकारो आवास समिति लि राज, 653 हसनपुर भोवापुर डा. रा गाजियाबाद सभ परिषद सोगायटी, गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करना हूँ। उस नर्माता के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की प्रवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी अपि के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदु किसी अवधि व्यक्ति द्वारा अधिसूचितरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रस्त्रीकरण :—इसमें प्रभूस भ्रमो और वदा का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के मध्यमे 20-८ म परिभ्रान्ति है वही भर्ये होता जो उस प्रव्याय में विद्या गया है।

भ्रमसूची

प्र.म-हसनपुर, भोवापुर, प्र०-लानी गाजियाबाद
तारीख : 16-10-84
मोहरः
(जो सापूर्ण हो उसे काट दीजिए)

M-406/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 92 situated at Hasanpur, Bhowapur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under registration No. 124 dated 7-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Shri Prabhoor Ratia S/o Noftata R/o Hasanpur, Bhowapur, Pargana, Loni Post : Khash, Distt. Ghaziabad (Transferor)
2. Shri Asha Pusp Vihar Sahkari Awas Samiti Reg. No. 653, Hasanpur, Bhowapur through—Gopal Dass Sablapali Ghaziabad (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Village : Hasanpur, Bhowapur, Pargana Loni
Distt. Ghaziabad

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

मिशन नं. प्रत-409/84-95—प्रत: भूमि, जै. पी. हिलोरी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मकान प्राप्तिकारी को यह लिखान करने का कारण है कि स्थावर मम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ने अधिक है और जिसकी सं० 9/-४०२ है तथा जो मौजूदा पुरा में स्थित है (और उससे उपावद यन्त्रणी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 11-1-84 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रप्ति के लिए अन्तरित की गई है और सूमे यह लिखान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रप्ति से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रप्ति के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्त्रण के लिए तब पाया गया प्रतिक्रप्ति लिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वामत्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हीर किसी भाव की बाबत प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिस्तें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या उनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए

प्रत, मत्र, युक्त अधिनियम की धारा 269G के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269G की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्ति—

1. श्री तेजपाल सिंह पुत्र श्री ननदा सिंह
नि. संतपुरा-मोदीनगर, जलालाबाद,
जि. गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्री तुलमीदास पुत्र श्री राम किशन
नि. मरुन नं 9/4802 पुरना सीलमपुर, गोधी नगर,
देहली-31 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्भन के लिए कामेवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के गर्भन + मम्पत्र में फौरे भी आवेदन --

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्त्वावधी अनियमों पर सूचना की तारीख + 20 दिन वही अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णता अवधियों में ने किसी व्यक्ति के हांगा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हिन्दू द्वारा अधिनियम 1961 (43) के अध्याय 20क ने परिवर्तित होता अधीनस्तात्तरण के गाय लिखित में किए जा माने।

प्राप्तीकरण —इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क ने परिवर्तित है, अही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

पन्नम् ची

मरुन नं. 5205 ह संतपुरा, हरमुख पुरी।

जि. गाजियाबाद

तारीख . 16/1/84

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-409/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and being No. 9/4802 situated Sant Pura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 17211 dated 11-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afo. said property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument with the object of :

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Tejpal Singh S/o Nanva Singh
R/o. Santpura Modi Nagar, Jalalabad,
Ghaziabad (Transferor)

2. Shri Tulsi Dass S/o Shri Ram Kishan
House No. 9/4802 old Seelampur
Gandhi Nagar, Delhi-31 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Bisakhar Modi Nagar No. 5205 C

Date : 12-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-411/84-85:—प्रतः मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 59 है तथा जो ग्राम मीरपुर हिन्दू में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अमतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवधत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिनमें में सुविधा के लिए

प्रत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमति में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री अनन्द भानु पुत्र श्री हरगोविंद शर्मा,
प्रा. नामरपुर, प्र. लोनी, त.व जि.—गाजियाबाद
(अन्तरक)

2 श्री राजपाल शर्मा व राज कुमार शर्मा व ज्ञ.नं चन्द शर्मा,
आनन्द कुमार शर्मा पुत्र चन्द भानु शर्मा
नि. प्रा. रघुनाथपुर, डा. नोवडा, दादरी
गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

माप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाता नं. 59, ग्राम मीरपुर हिन्दू
प्र. लोनी त.व.जिला गाजियाबाद

तारीख : 16-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M.411/84-85 :—Whereas, I, J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 59 situated at Vill. Meerpur Hindo, (and more

fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 17391 dated 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Chander Bhan s/o
Shri Har Govind Tyagi
R/o Village : Nasarpur, Pargana, Loni
Distt. Ghaziabad (Transferor)
2. Shri Raj Pal Sharma,
Gayan Chand Sharma, Rajesh Kumar Sharma,
Anand Kumar Sharma
s/o Chander Bhan Sharma,
Village : Raghu Nath puri,
Post Noida, Dadri,
Ghaziabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khata No. 59, Village : Meerpur Hindo
Ghaziabad.

Date : 16-10-84

SEAL

***Strike off where not applicable.**

निदेश न. एम-412/84-85 :—अतः मुझे, जे पी हिलीरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. आर 3/70 है तथा जो राज नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है। अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सतवंत सिंह पुत्र सुरजन सिंह,
नि. आर. 3/70 राज नगर—गाजियाबाद
..... (अन्तरक)
2. श्री नरेश कुमार गुप्ता पुत्र जगदीश राय,
नि. मुहल्ला—गलियान,
वर्तमान पता—एम 97, जनकपुरी, अस्सीगढ़
..... (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुभूति

भवन सं. आर 3/70 ब्लॉक सं. आर 3 राज नगर
गाजियाबाद

तारीख 16-10-84

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-412/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. R/3/70 situated at Raj Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 17196 dated 11-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Satwant Singh s/o Surjan Singh, R/o R/3/60 Raj Nagar Ghaziabad. (Transferor)
2. Shri Naresh Kumar Gupta, S/o Jagdish Rai, R/o Galiyan (Haryana). Present Add. : R/o M-97 Janakpuri, Aligarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE
House No. R/3/60 Blok No. R-3
Raj Nagar, Ghaziaba.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेदन नं. एम.-413/84-85 :—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) भी वारा 269 वा के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. सी-93 है तबा जो लौहिंग नगर में वित्त है (और इससे उपर्युक्त अनुभूति में और पूर्ण मूल्य से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवधारित :-

1. कुमारी गुलबहार पुत्री सरदार अमीर सिंह,
निं० बलबीर नगर, भवन नं० 1439ए/44 ए
गली नं० 7, शाहदरा, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री ललित किशोर मित्तल पुत्र स्व श्री चन्द्र शेखर व
श्रीमती विमला मित्तल पत्नी श्री ललित किशोर मित्तल
व श्री अजय कुमार मित्तल पुत्र श्री ललित किशोर मित्तल
निं० जे 80 पटेल नगर, गाजियाबाद
. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिये कार्यवाहिया
शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी वारेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की
अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील 30
दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन
के भीतर उक्त स्थावर, सम्पत्ति में हिस्सेदारी अन्य व्यक्ति
द्वारा अद्योत्तसाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भवन नं० सी/ 93, लोहिया नगर, सेक्टर-8 गाजियाबाद

तारीख : 16-10-84

योहर :

*जो लागू न हो उसे काट दोजिए

M.413/84-85 :—Where as, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. C-93 situated at Lohia Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered the registration Act, 1908 in the office of the Registering Officer under registration No. 17025 dated 3-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have

not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Km. Gul Bahar D/o
Sardar Amir Singh, R/o Balvir Nagar
Bhawan No. 1439A/44A Gali No. 7,
Shahdara, Delhi
(Transferor)
2. Shri Lalit Kishore Mittal
S/o Late Shri Chand Sekhran, Smt. Vimla Mittal
w/o Shri Lalit Kishore Mittal S/o Shri Lalit
Kishore Mittal,
R/o J-80 Patel Nagar, Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. C/93, Lohia Nagar Sector 8
Ghaziabad.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable

निदेश नं० एम०-414/84-85 :—अतः मुझे ज० श्री हीलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ग के अधीन सामान प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० आ-१/१८६ है तथा जो राजतगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबृज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती

(अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आय कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिखित में सुविधा के लिये

अतः उक्त अधिनियम की धारा 289 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 289 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवांतः :-

1. श्रीमति नीलम ढांड पत्नी नरेन्द्र कुमार ढांड
निवासी आर-10/130 राज नगर, गाजियाबाद
(अन्तरक)
2. श्रीमति दीपती मितल पत्नी श्री सुधीर मोहन मितल
निं० के० सी० 70 कबि नगर, गाजियाबाद
..... (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी आय व्यक्ति द्वारा अद्वैतावस्थित के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिचयित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० आर-11/186, राज नगर, गाजियाबाद

तारीख : 16-1-84

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए

M. 414/84-85 :—Whereas, I J.P. Hilori being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. R-11186, situated at Raj Nagar Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 16892 dated 29-1-84 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Neelam Dand w/o
Shri Narendra Kumar Dand
R/o R-10/130 Raj Nagar, Ghaziabad.
(Transferee)
2. Smt. Deepati Mithal w/o
Shri Sudhir Mohan Mithal R/o K.C.-70
Kabi Nagar-Ghaziabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. R-11/186 Raj Nagar, Ghaziabad

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable

निदेश नं० एम-415/84-85 :—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की

धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक है और जिसकी सं. 27,620 रु० है तथा जो नसीरपुर में स्थित भै (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तररत की गई है और मुझे नह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मै. वीबिंग बेलिंग फैक्ट्री, प्रा. लि.
निकल्मन रोड, देहली,
मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रतन कौल
(अन्तरक)
- श्री राजेन्द्र कुमार जैन, पुन्न
श्री माम चन्द जैन, श्री अनिल कुमार जैन आदि
नि. रेलवे रोड, बड़ोत मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में

हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदोषों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं. 27 मिन 620 नसीरपुर, गाजियाबाद
तारीख : 16-10-84

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दोजिए

M. 415/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have been reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 27,620) situated at Village Nasirpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 1700 dated 5-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Webinga Belting Factory (Pvt.) Ltd., Nicolson Road, Delhi Managing Director Shri Ratan Koul (Transferor)
- Rajender Kumar Jain
s/o Shri Maam Chand Jain,
Shri Anil Kumar Jain & Others
R/o Rly. Road Baraut, Meerut (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No: 27, Min 620¹ Nasirpur
Ghaziabad

Date : 16-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. एम-417/84-85 :—ग्रत, मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 241(3), 241(7), 241(8) है तथा जो पूर्वी दीन दयाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

ग्रत, प्रब. उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री उम राम सिंह, पुत्र स्व. लाला हरद्वारी लाल व मुमाष चन्द पुत्र थी प्रोम प्रकाश नि. पूर्वी दीन दयाल रुड़की, जिला सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार रस्तोधी व राजेन्द्र कुमार रस्तोधी पुत्र गण स्व. लाल मुश्तिलाल, गोरधन पुर रोड, लक्सर, प्र. मण्गलोर, जि. सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पादन के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीर्वन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता हाता नम्बरी 241(3) का जुज भाग व 241(7) व 241(8) स्थित पूर्वी दीन दयाल रुड़की, जिला सहारनपुर तारीख : 16-10-84

मोहर

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-417/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 241(3), 241(7), 241(8) situated at Purwa Dindayal (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Roorkee under registration No. 32 dated 2-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Um Row Singh
s/o Late Lala Hardwari Lal, Subhash Chand
s/o Om Prakash, R/o Purwa Din Dayal
Roorkee, Distt. Saharanpur (Transferor)
2. Shri Surender Kumar Rastogi
Rajender Kumar Rastogi s/o
Late Lala Munni Lal Gordhanpur Road
Loksari Pargana Mangalore
Distt. Saharanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One House No. 241(3) Ka JUJ Part, 241 (7), 241(8) situated at : Purwa Din Dayal Roorkee Distt. Saharanpur

Date : 16-10-84

SEAL

†Strike off where not applicable.

निवेदन नं. एम-422/84-85 :—ग्रतः, मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 256/3/4 है तथा जो पिलावुम्बा में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हामुड़ (गाजियाबाद) में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों की जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

ग्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की ध.रा 269ब के प्रसुस्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरेश चन्द्र अग्रवाल पुस्त लाल गंगासरन 4415 कटरा लेखराम, मुहल्ला तुलीराम पहाड़ीराज, सर्व बाजार, दिल्ली-6 (अन्तरक)
2. श्रीमती सरिता देवी पत्ती रमेश चन्द्र मुसामात—सुधा देवी, पत्नी भगवेचन्द्र, नि० भठमलयान—पिलावुम्बा मो. छिपीवाड़ा, जि. गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भलेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अस्केप्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं. 256/3/4 छिपीपाड़ा, गाजियाबाद

तारीख : 16-10-84

मोहर :

[जो खागू न हो उसे कट दीजिए]

M-422/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 356/3/4 other situated at Pilkhuwa (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur Ghaziabad under registration No. 866 dated 28-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to, between the transferor(s) and transferee(s), has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Suresh Chand Agarwal
S/o Lala Ganga Saran,
4415 Katia Lakhi Ram Mohalla : Ali Ram
Pahari Dhiraj, Sadar Bazar,
Delhi-6
(Transferor)
2. Smt. Sarita Devi W/o B. Ramesh Chand,
Musamat Sudha Devi W/o Mahesh Chand
R/o Math Maliyan-Pilkhuwa,
Village : Chippi Pura, Distt. Ghaziabad.
(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 256/3/4 Chippi Para, Distt. Ghaziabad
Date : 16-10-84

SEAL :

+ Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम. 435/84-85 :—अतः, मुझे जे. पी. हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है) की धारा 269B के अधीन सम्भव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. है तथा जो भूमि पुर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सरघना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीराधा

(ख) ऐसे किसी शाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तर्स्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः श्रव्य, युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इकबाल मेहर्वी,
पुत्र मुहम्मद फसीह,
नि. अब्दुल्लापुर,
गा. खासि जि. मेरठ (पंजाब)

2. श्री गोपाल सिंह,
पुत्र सर्वप सिंह,
पुत्र शिवदयास सिंह,
नि.- मवी मीरा
डा. - खास जि. - मेरठ ' (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात्त के प्रजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आधिकारिक विवरण नहीं हैं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वतीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आंधनियम के अध्याय 20के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

तारीख : 16-10-84

मोहरः

*[जो लायू न हो उसे काट दीजिए]

M, No. 435/84-85.—Whereas, I, J.P. Hilori, being the Competent Authority, authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immoveable property having a fair market value exceeding

1011 GI/84-6

Rs. 1,00,000 and bearing No. — situated at Village Mandlapur (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana under Registration No. 111 dated 1-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Iqbal Mahndi,
S/o Mohmd. Fasih,
Village Abdullapur,
Post Khash,
Distt. Meerut (Transferor)

2. Shri Gopal Singh Kalosingh,
S/o Sroup Singh S/o Shiva Dayal Singh,
Village Mowimira,
Post Khash,
Pargana Bowralla,
Sardhana, Meerut (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHE DULE

Date : 16-10-84.

SEAL : ;

*Strike off where not applicable.

निवेदन नं. एम-436/84-85.—अतः मुझे, जे.पी. हीलारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं. 424/1, 933 है तथा जो नवीमीरा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरधना (मेरठ) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारूपोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त, अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे खर्चने में युक्तिधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युक्तिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इकबाल मेहमदी,
पुत्र मोहम्मद फसीह,
नि. ग्राम-अब्दुल्ल पुर,
डा.-ख स, जि.-मेरठ (अन्तरक)

2. श्री बलराम सिंह,
पुत्र भाडे सिंह,
ग्रा.- नवीमीरा
परगां-दौराला-सरधना-मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर

सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद्वि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिनियम के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित है, वहों वर्ण हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं. 424/1, 933, ग्राम : नवीमीरा,
दौराला-सरधना-मेरठ

तारीख : 16-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिए)

No. M-436/84-85.—Whereas, I, J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Govt. in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 424/1, 933 situated at Navimira (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana/Meerut under Registration No. 112 dated 9-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any income or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Iqbal Mehdji,
S/o M. Ahmad. Fasih,
R/o Village Abdullapur,
Post Khash,
Distt. Meerut

(Transferor)

2. Shri B. I. Ram Singh,
S/o B. I. Singh,
Village Navi Mira
Pargana Dowralla,
Sarahana, Meerut
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 4241, 933 Village Navi Mira,
Doralla-Sardhana, Distt. Meerut.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निरेश नं. एम-437/84-85 :—अतः मुझे जे. पी. हिनोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सञ्चाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 44, 46, है तथा जो सिगलपुर में स्थित है (और इसपे उगावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं. 100, तारीख 4-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है पत्तरक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,

या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, युक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शोभा राम,
पुत्र बैज्ञ नाथ,
ग्रा. हैवतपुर,
प्र.- चरण बल,
जि.- मुजफ्फरनगर, (अन्तरक)

2. श्री अजरम श्री, व अमार श्री,
इन्दार श्री नंरपत शेर श्री,
पुत्र गोदा,
ता.- वुड ना, हल, हैवतपुर,
चरण बल, मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या गरु करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा —

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रामित है, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रा. तिगलपुर, चरण बल, मुजफ्फरनगर।

तारीख : 16-10-84

मोहरः

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

No. M-437/84-85.—Whereas, I. J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 44, 46 situa-

ted at Singalpur (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar under Registration No. 100 dated 4-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Sobha Ram,
S/o Baij Nath,
Village : Habatpur, Pargana, Charthowal,
Distt. : Muzaffarnagar (Transferor)
2. Shri Azam Ali, Afsar Ali, Israr Ali,
Sanrakshak Sar Ali,
S/o Genda
Teh. : Budhana, Hall : Habatpur
Charthowal : Muzaffarnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Village : Singalpur, Charthowal
Muzaffarnagar.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम. 385/84-65 :—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 3 (8), 1/1, है तथा जो बीपलोक बल्लुर में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः :—

1. श्री गोविन्द लाल,
पुत्र श्री के. एल. वर्मा,
नि.-8/1/1 दीपलोक, देहरादून, (अन्तरक)
2. श्री ज्ञान चंद्र,
पुत्र श्री भाला राम सोहनी,
नि.-8/1/1, दीपलोक, देहरादून, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3 (8)/1/1 दीप लोक बालपुरा,
चक्रता रोड, देहरादून।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-385/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 3(8)/1/1 situated at Deep Lock Balupura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 73 dated 3-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)

or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Govind Lall
S/o Shri K.L. Verma
R/o 8/1/1 Deep Lok Dehradun (Transferor)
2. Shri Gyan Chand
S/o Shri Malla Ram Sohni,
R/o 8/1/1 Deep Lok Dehradun (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDE

House No. 3(8)/1/1 Deep Lck Ballupur
Chakrata Road, Dehradun.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-386/84-85 :—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 63/1, है तथा जो हरीद्वार रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह

प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सफली अग्रवाल
पा. दोनानाथ अग्रवाल,
नि.-133 देहरादून रोड,
ऋषिकेश। (अन्तरक)

2. मै. मन्दकनी इन्टरेज इजेज,
द्वारा, मैनेजिंग पार्टनर,
श्री वी. एन. खन्ना,
पुत्र श्री पी. एल. खन्ना,
नि.-1 अदर्श नार,
ऋषिकेश (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 63/1,
हरीद्वार रोड, ऋषिकेश।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

[जोलागू न हो उसे काट दीजिए]

M-386/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 63/1 situated at Haridwar Road (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 591 dated 19-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Safatalli Agrawal
W/o Dina Nath Agrawal,
R/o 133 Dehradun Road, Rishikesh (Transferor)

2. M/s Mandakini Enterprises through its
Managing Partner
Shri V.N. Khanna
S/o Shri P.L. Khanna
R/o 1-Adrash Nagar, Rishikesh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 63/1, Haridwar Road Rishikesh.

Date : 16-10-34

SEAL

*Strike off where not applicable.

निरेश नं ० एम०-३८७/८४-८५—श्रावा मुझे ज० पी० हिनोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सदम प्राधिकारी को यह विषय म करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसा उत्तरां बाजर मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी म० 391/1, है नवा जा निरन्तरन्पुर, मे स्थित है (प्रीर इन उत्तरां बाजर मूल्यमें और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीरत्ता अप्रत्यक्षी के कर्यालय देहरादून, मे. राजस्त्रीरत्ता अवानियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन तरीख 24-1-84 का पूर्वोंता नियम के उत्तरां बाजर मूल्य मे जम के दृश्यमान प्रान्तकत के लिए अन्तरित की गई है प्रीर गुजे यह विषय न नम्ने न वर्णन है नि यथापूर्वोंता पमात का उत्तरां बाजर मूल्य, उत्तरां दृश्यान्त प्रान्तकत से, ऐसे दृश्यान्त प्रान्तकत के पन्द्रह प्रान्तशान मे अधिक है अन्तरां (अन्तरां) और अन्तरां (अन्तरां) के बीच ऐसे 'अन्तरां' के लाए तथ पय गया प्रान्तकत, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरां, लान्तरत मे व स्वाव० रूप से नियत नहीं रखा गया है।

(क) अन्तरां से हुई किसी अस्ति की व वन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन उक्त देने के अन्तरां के दर्शन्क मे किसी उक्त या उसमे बचने मे नुवादा के 'लाए धौरथा'

(ख) ऐसे जिसी तथ या विसी धारा या अन्य अन्तरां की जिन्हें भारतीय आजरान्धानियम, 1932 (1932 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) या धन-५२ अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रधानार्थ अन्तरां द्वारा प्राप्त नहीं 1,00,000 रुपय वा या विवाद ना चाहा था, इसमे दुवारा के 1,00,000

अत अब उक्त नियम की धारा 269ब के अनुसार म, ई उक्त प्राधान्तरां की धारा 269ब की अधरा (1) के 'विवाद, अन्तरां वान्तरां अधिकता' अधिकता -

1. श्री देवराज भट्टाचार्य,
पुत्र किशन चंद भट्टाचार्य,
निवासी- २ न्यू कैन्ट राड,
देहरादून (अन्तरां)

2. श्रीमती वीना साईन,
पत्नी श्री के. के भाईन,
२१२, राजपुर राड,
देहरादून । (अन्तरां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यद्वारा मुक्त करा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कार्य भी अध्येता:-

(क) इस सूचना के राजपत्र ये प्रदान की तरीख मे 45 दिन की अवधि, या तन्त्रज्ञानी विविधों पर मूल्य की तरीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि व द मे गाए हाती है, के भीतर पूर्वोंता विविधों मे से दिसी व्याकुन के द्वारा।

(ख) इप सूचना को राजपत्र मे प्रदान की तरीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित्य निजी अन्य व्याकुन द्वारा अधिकान्तरी के पास लाखत, मे किए जा सकें।

स्थानीकरण--इसमे प्राप्त अवदो और पदो का, जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यव 206 गे पारभाषित है, यही अर्थ है जो उस अध्यव 206 मे दिया गया है।

अनुसूची

स्थित. खाना न. 391/1,
निरन्तरां, देहरादून ।

तरीख : 16-10-84

महर ।

[गालागून हो उमे काट दीजिए]

M-387/84-85 : Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 391/1 situated

at Niranjan Pur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 701 dated 24-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Deep Raj Bhatia
S/o Shri Kishan Chand Bhatia
R/o 2 New Cant Road, Dehradun (Transferor)
2. Smt. Beena Soin
W/o Shri K.K. Soin
212 Rajpur Road, Dehradun (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDELE

Khasa No. 391/1, Nirjanpur, Dehradun.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-388/84-85: -मत मुझे ज० पी० हिन्दूरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सभीन प्राधिकारी को यह विधास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसने उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० 3बी/16 है तथा जो कृष्ण नगर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विधास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरती (अन्तरतियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वागित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए भीरुपा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए .

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1 श्रीमती कैलाश वती,
डा. मदन मोहन मेहता,
नि.- 22 लैटन रोड,
देहरादून, (अन्तरक)

2 डा. एस. एम. अच्चास,
पुत्र श्री एस. जैयनत हसन ज़
(आर. एण्ड डी.) (के. डी.
आई. पी. ई. आयल एण्ड नेट
देहरादून (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 3बी/16, कृष्ण नगर, देहरादून।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

No. M-388/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 3B/16 situated at Krishan Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 785 dated 27-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the

Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Kailashwati Mehta
W/o Dr. Madan Mohan Mehta
R/o 22 Lytton Road, Dehradun (Transferor)

2. Dr. S.M. Abbas
S/o Shri S. Ziayanat Hussain, Geologist (R&D)
(K.D.M.) I.P.E.,
Oil & Natural Gas Commission
Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 3B/16 Krishan Nagar, Dehradun.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. एम.-332/84-85.—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 11 है तथा जो पृष्ठीपुर में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टां अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यह अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री फूलसिंह पुन्डीर,
पुत्र स्व० श्री साधन सिंह,
निं. ग्रा० - नथनपुर,
डा०- नेहरु ग्राम-प्र० परवा०,
ज़ि. देहरादून, (अन्तरक)

2. श्री हस राज बजाज
पुत्र श्री मिलखी राम बजाज,
निवासी, 401/201, विकास नगर
प्र-पठवा, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेये —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खंभा न० 11, पृष्ठीपुर, पठवा, देहरादून।

तारीख 16-1-84

मोहर

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-332/84-85.—Whereas, I, J. P. Hillori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 11 situated at Prithipuri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 266 dated 11-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Fool Singh Pundeer,
S/o Late Shri Sadhan Singh
R/o Village : Nathanpur, Post : Nehru Gram
Pargana : Parwa, Distt. : Dehradun. (Transferor).
2. Shri Hans Raj Bajaj,
S/o Shri Milkhi Ram Bajaj
Smt. Swarna Devi
W/o Shri Hans Raj Bajaj
R/o 401/201, Vikas Nagar, Dehradun
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 11, Prithipur, Pachwa, Dehradun.

Date : 16-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निवेदन नं. एम.-383/84-85 :—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 215 है तथा जो लक्ष्मीबाग, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख.....को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थपूर्वक से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से मुक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ख के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. श्री दीपचन्द्र अग्रवाल,
पुत्र श्री नाईदर मलव,
नि.-59, पार्क रोड,
देहरादून

(अन्तरक)

2. श्री सरदुल सिंह,
पुत्र श्री दर्शन सिंह,
मकान नं.-422, खुखुरा मुहल्ला,
देहरादून

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया मुक्त करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें द्वयुक्त शब्दों पर दो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 186, 835 लक्ष्मीबाग, देहरादून।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-383/84-85.—Whereas, I, J. P. Hiloji, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. . . . situated at Lakh Bagh (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 215 dated 9-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Deep Chand Agrawal,
S/o Shri Nidader Mal & others
R/o 59, Park Road, Dehradun. (Transferor)
2. Shri Sardul Singh
S/o Shri Darshan Singh
R/o H. No. 422, Khurbura Mohalla,
Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 186, 835 Lakh Bagh, Dehradun

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-280/84-85:—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 197 है तथा जो बनत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कायालिय कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वस्तोवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग की उप द्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चमेली विठ्ठा सून्दू,
निवासी-नगा. अमता,
प्र. शामली, ता. कैराना,
जि. मुजाफ्फरनगर
(अन्तरक)

2. श्री जयचन्द व सुद्धन व तिलक राम,
पुत्र प्रताप,
ग्रा. —बनत, डा. —खास, प. —शामली,
जि. —मुजफ्फरनगर, (अन्नरत्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाता नं. 197, ग्रा. —बनत,
प. —शामली, जि. —मुजफ्फरनगर।

तारीख : 16-10-84

मोहर :

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए।]

M-280/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 197 situated at Village Banat (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 902 dated 16-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the transferor(s) & transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Chamili
Widow of Sundo
R/o Village : Banat, Pargana : Shamli
Tch. : Kairana
Distt. : Muzaffarnagar (Transferor)

2. Shri Jai Chand,
Sukhan, Tilak Ram
S/o Pratap
R/o Banat, Post : Khash, Pargana : Shamli,
Distt. : Muzaffarnagar (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khata No. 197, Village : Banat,
Pargana : Shamli, Distt. : Muzaffarnagar.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-86/84-85 :—प्रक्ष: मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सम्पत्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी म. 27 है तथा जो बिहारी लाल मार्ग में स्थित है (और इसमें उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से प्रुक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की भावत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन बार देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

1. श्री चान सिंह भंडारी उर्फ
चरण सिंह भंडारी
पुढ़ स्व. श्री रसी सिंह भंडारी
नि 35 गढ़ी,
देहरादून छावनी। (अन्तरक)
2. श्री मवन सिंह वर्मा पुढ़
स्व. श्री दी. एस. वर्मा,
नि.—315 ओल्ड डालन वाला, देहरादून। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(५) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर

सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी व्यक्ति के द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्द किसी अन्य अक्षित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-५ में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं. 27 बिहारी लाल मार्ग, देहरादून
तारीख : 16-10-84

मोहर .

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-86/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 27 situated at Bihari Lal Marg (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun under registration No. 411 dated 16-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Chan Singh Bhandari u/s. Chatan Singh Bhandari
S/o Ratti Singh Bhandari
R/o 35, Gadhi, Dehra Dun Chhawni (Transferor)

2. Shri Madan Singh Verma
S/o Late Shri B.S. Verma
R/o 315 Old Dalan Walla, Dehra Dun
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 27, Behari Lal Marg, Dehra Dun.

Date : 16-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेदन नं० एम-97/84-85 :—अतः मुझे, जे ०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269का के अधीन सम्बन्धित अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 59/4 है तथा जो राजपूर रोड में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के फलस्वरूप से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर

देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269 के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती दंगा भिगारी पन्नी श्री सुशील पिल्लै नि. 59/4 पुराना न. 59/H राजपूर रोड देहरादून (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति दत्ता स्व केपटन श्री दीपा दत्ता निं० रुडकी रोड, मुजफ्फर नगर श्री एच. एम भट्टाचार्य पुल श्री गजालाल 59/4 राज पुर रोड, देहरादून— (अन्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 59/4, राजपूर रोड, देहरादून

तारीख : 16-10-1984

मोहर :

*[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-97/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 59/4 situated at Raj Pur Road (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 630 dated 20-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Daya Singari
W/o Shri Sunder Singh,
R/o 59/4, Old No. 95-H, Rajpur Road, Dehradun
(Transferor)
2. Smt. Santi Datta
W/o Late Capt. B.D. Datta,
R/o Roorkee Road, Muzaffar Nagar
Shri H.M. Bhatnagar
S/o Shri Raja Lal
59/4, Rajpur Road, Dehradun (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (t) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Bldg. 59/4, Rajpur Road, Dehradun.

Date : 16-10-84

SEAL

Strike off where not applicable.

कानपुर, 20 अक्टूबर, 1984

निदेश नं. एम-503/84-85 :—अतः मुझे, जे ०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वाले के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु० ने आधिक है और जिसकी सं. 120/565 है तथा जो शिवाजी नगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-64 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वाले उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लालता प्रसाद पुत्र श्री मितान सिंह
120/565 शिवाजी नगर
कानपुर (अन्तरक)
2. श्री विजय कुमार, पुत्र श्री यथा साल एवं अन्य
120/565 शिवाजी नगर, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित शिवाजी नगर कानपुर

तारीख :

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Kanpur, the 20th October, 1984

M-503/84-85.—Whereas, I. J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 120/565 situated at Shivaji Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 542 dated 24-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Lalta Prasad
S/o Shri Mitan Singh
120/565, Shivaji Nagar, Kanpur (Transferor)
2. Shri Vijay Kumar
S/o Sri Shyam Lal & others
120/565, Shivaji Nagar, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Shivaji Nagar, Kanpur

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के 505/83-84 :—ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जोसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' रहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्रम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० 120/57 है तथा जो नरापत पुरना में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-1-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तु :—

1. श्रीं ती करतार देवी गुलाटी चैटेबल ट्रस्ट द्वारा देवर मेटलस एण्ड ट्रस्टिंज 120/92, आषपत नगर कानपुर (अन्तरक)
2. श्रीमती भारती देवी पत्नी श्री राम चन्द्र 111/81 अशोक नगर कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नत्यमन्त्य व्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इन्हें प्रयुक्त शब्दों और नदें आ जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 206 में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुग्रहीत

मकान स्थित नगरपाल पुर

तारीख : 20-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

K-505/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 120/57 situated at Narainpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under Registration No. 2092 dated 31-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Karti Devi Gulati, Charitable trust through their Settlers and Trustees, 120/92, Lajpat Nagar, Kanpur.
2. Smt. Bharti Devi W/o Sri Ram Chand 111/81, Ashok Nagar, Kanpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Narainpur

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निरेण नं० के-506/34-85 :—अन्तःगुद्रे जे. पी. हीलोरी, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहीं गया है) की धारा 269 खंड के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उल्लिखन बाजार मूल्य 100,000 से अधिक है और असंख्य में 205, 207 और 199 है तथा जा गजु पुरा में स्थित है (और इसे उपावस्था अनुनूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीरर्स ऑफिसरी के नियालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख 30-12-83 का पूर्णत भूमिति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वक उपलिखित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रातिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, 1957 में घास्तावक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई वेसी शाय की बाबत, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य आयकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए।

अन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याकृतियों अर्थात् :—

1. श्री लाला लक्ष्मी नानान पुत्र लाला बनवारी लाल ४/३५, आर्यनगर कानपुर (अन्तरक)

2. श्री सै. जफर अंदो रफीन अहमद शर्कील अहमद फिराज अहमद व अन्तः २४वीं बाईठ राज बलकलता (अन्तर्निर्दी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव दिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्याकृतियों पर सूचना की तरीकी 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्याकृतियों में से किसी व्याकृत के द्वारा।

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हतबद्द विसी अन्य व्याकृत द्वारा अधिस्थानकरी के पास लाखन में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिसी गजु पुरवा कानपुर स्थित

तारीख : 20-10-84

माहर.

[जा लागू न हो उस काट दीजिए]

K-506/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 205, 207, 199 situated at Jaggupurva (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 1895 dt. 30-12-83 for

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Lala Luxmi Narain
S/o Lala Banwari Lal
8/35, Arya Nagar, Kanpur (Transferor)
2. Shri Sayed Zafar Ali Rafiq Ahmad, Shakeel
Ahmed, Firozahmad & others.
24-B, Bright Road, Calcutta (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land at Gajju Purwa, Kanpur.

Date : 20-11-82

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-503/83-84—प्रत: मुझे जै० पौ०
हीमोरी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहीं गया है)
मी धारा 269ब के अधीन सम्पत्ति का यह उपचार संस्करण है कि स्व वर सम्पत्ति, (जसना उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० 110/335 है तथा जो प्रेसनगर में स्थित है (और इसे उपचार क्षमता से अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के जारीलिय बानपुर द्वे, रजिस्ट्रीलरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्य-मूल्य प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास तरजे कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमूल्य प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्य-मूल्य प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लांबा में व स्थानक रूप में कथित नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की व वत, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने ने भुक्ति के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आदर्शयों की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-भर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुक्ति के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात् :—

1. लक्ष्मा देवी वहनी श्री प्रेमनारायण
एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी वहनी श्री शाम नारायण
16/1 गोड्ड नं. 2 किलवाई नगर, कानपुर
(अन्तरक)
2. श्री मोहम्मद हासन उर्फ काल खां एवं अन्य
105/91 चमनगंग
कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरु करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी वक्तियों

पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी उक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित 105/335 प्रेमनगर, कानपुर।

तारीख : 20-10-84

मोदर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

K-501/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 105/335 situated at Prem Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 1063 dated 18-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Laccha Devi
W/o Shri Prem Narain & Smt. Laxmi Devi
W/o Sri Shyam Narain,
16/1, Site No. 2, Kidwai Nagar, Kanpur
(Transferor)

2. Shri Mohd. Haroon alias Kale Khan & others,
105/191, Chamanganj, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 105/335, Prem Nagar, Kanpur.

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के—५०४/८४-८५:—यह मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक है और जिसकी सं. 128/12-ई है तथा जो किंवद्दन नाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शारीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-1-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरिक्त (अन्तरिक्तों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से लूई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन

पर देने के अन्तरण के दर्यत्व में जमी करने या उसमें बचने से सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसे किसी भाव ये किसी भन या अन्य प्राप्तियों श्री जिन्हें अवृत्ति; अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजन-वर्ध अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या 1957 जना चाहिए था, छपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नांलिखित व्याकेतार्थों अधीतः—

- श्रीमती सुधा श्रीवास्तव, सुदर्शन श्री वास्तव एवं अन्य 125/1 गोविन्द नगर, कानपुर (अन्तर्गत)
- श्री जनर्दन प्रसाद तिवारी एवं श्रीमती उपा रानी तिवारी 19/148 पटकापुर कानपुर (अन्तर्गत)

को यह सूचना जरूरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तलक्ष्यन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तभील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में लाभपूर्ण होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तकारी के पास निविल में पिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अध्यय 20क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्लाट विद्वाई नगर, कानपुर स्थित

तारीख : 20-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

K-504/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason

to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 128/12E, situated at Kidwai Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2035 dated 6-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Sudarshan Srivastava & Smt. Sudha Srivastava & others. 125/1, Govind Nagar, Kanpur. (Transferor)
- Shri Janardan Prasad Tewari & Smt. Ush Rani Tewari 19/148, Patkapur, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Kidwai Nagar.

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-5/के एन पी/ 84-85.—अतः मुझे जे. पी. हिनोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सम्पत्ति को यह विवरास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 21 है तथा जो लखनपुर में स्थित है (और इन्हें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय कामपुर में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तररङ्ग (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की दबाव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिया के लिए,

अतः, युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधीनयन की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री बी. सहाय, श्रीमती मीना माथुर
एग्रीकल्चर कालेज कैम्पस कानपुर (अन्तरक)

2. श्री संजय तिवेदी एवं, अजय तिवेदी
ए-21 विद्याम नगर लखनपुर/कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों मुरु करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों

पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि वाद में संतुष्ट होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अभित के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट लखनपुर कानपुर स्थित।

तारीख 20-10-84

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजा)

K-5|84-85.—Whereas, I, J. P. Hileri, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21 situated at Lakhanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2775 dated 25-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri B. Sahai, Smt. Meena Mathur Agriculture College Campus, Kanpur (Transferor)
2. Shri Sanjay Trivedi & Ajay Trivedi A-21, Vikas Nagar, Lakhanpur, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Lakhapur.

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-502 / 83-84:- अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 7/103 है तथा जो स्वरूप नगर में स्थित है (और इसके उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-फर्टी अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचते में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसे फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-6र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वास्तियों अर्थात् :-

1. श्री सूरज प्रसाद पुत्र स्व० श्री राधाकिशन श्रीवास्तव 7/103 स्वरूप नगर, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री विजेन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण एवं अन्य 109/401 दर्शन पुराना, कानपुर (अन्तरियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्याद्वाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रथमें शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20वा में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित 7/103 स्वरूप नगर, कानपुर

तारीख 20-10-84

मोहर

(जो लागू न हो काट दीजिए)

F. No. K-502/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/103 situated at Swarup Nagar Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 1285 dated 7-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Suraj Prasad
S/o Late Sri Radha Kisan Srivastava
7/103, Swarup Nagar, Kanpur. (Transferor)
2. Shri Brijendra Singh
S/o Sri Narain & Sanjay Singh
S/o Brijendra Singh,
119/401, Darshan purwa Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 7/103, Swarup Nagar.

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

1011 GI/84—9

निदेश नं० के-12/84-85 :—अतः, मुझे जै० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के आधीन संकेत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी 111/85 है तथा जो अशोक नगर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्च बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापसी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या ;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिये ।

अतः, अब, युक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम नारायण वाजपेयी पुत्र श्री वंशीधर वाजपेयी 111/85, अशोक नगर, कानपुर (अन्तरक)
2. कुमारी वीना शुक्ला पुत्री श्री हरदयाल शुक्ला 111/414 अशोक नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति

में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षनाथरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थिरकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 111/85, अशोक नगर, कानपुर

तारीख: 20-10-84

मोहर:

*जो लागू न हो उम्म काट दीजिए।

K-12/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 111/85 situated at Ashok Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered "under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kanpur under registration No. 2165 dated 2-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Ram Narain Bajpai
S/o Sri Banshidhar Bajpai,
111/85, Ashok Nagar, Kanpur. (Transferor)
- Km. Veena Shukla,
D/o Sri Hardayal Shukla,
111/414, Ashok Nagar, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 111/85 Ashok Nagar.

Date : 20-10-84

Seal:

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. ० ग 251/84-85.—मत्त, मुझे जे. पी हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी मं. 19-सी/4-ए/1 है तथा जो आलोक नगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये और/या;
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. डा. मुरारी लाल बंसल,
84, महात्मा गांधी रोड़, आगरा

(अन्तरक)

2. श्री विश्वन कुमार पुत्र श्री नारायणदास
3/496, राय मंडी, शाह गंज, आगरा
अब आलोक नगर कालोनी
आगरा ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यकाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित आलोक नगर कालोनी, आगरा

तारीख : 20-1984

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।)

A-251/84-85.—Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 19-C/4-A/1 situated at Alok Nagar Colony (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 9556 dt. 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1. Dr. Murari Lal Bansal
84 MG Road Agra. (Transferor)
- 2. Shri Vishan Kumar
S/o Shri Narayan Dass
3/496 Rai Mandi,
Shahganj Agra now as Alok Nagar Colony
1st Colony Agra (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 19-C/4-A/1
Alok Nagar Colony,
Agra.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेदन नं. एम. 1884/84-85 :—अतः, मुझे जे. पी. हीसोरी, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सम्बन्धी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी म. 2 मी-12 है तथा जो नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग को उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री प्रकाश जैन पुत्र स्व. नैमीचंद, जैन,
नि.-थर्ड डी. 20 नेहरू नगर,
गाजियाबाद (अन्तरक)
2. श्रीमती कौशल देवी जैन पत्नी,
श्री प्रकाश चन्द जैन,
डी-20, नेहरू नगर,
गाजियाबाद (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मध्यन सं. IIInd सी 12, आवासिक कालोनी,
नेहरू नगर,
गाजियाबाद

तारीख 20-10-84

मोहरः

*जो लागू नहीं हांता उसे काट दीजिए।

M-1884/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. IIC-12 situated at Nehru Nagar G. Bad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gazia-bad under registration No. 18307 dated 28-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transference for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Prakash Jain,
S/o Late Shri Nami Chand Jain,
R/o IIIrd-D. Nehru Nagar,
Ghaziabad. (Transferor)
2. Smt. Kawsal Devi Jain,
W/o Shri Prakash Chand Jain,
Smt. Neelam Jain W/o Shri Pradeep
Kumar Jain,
R/o IIIrd D-20 Nehru Nagar
Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. II C/12 Nehru Nagar Ghaziabad.

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेदन नं. एम-1885/83-84.—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के आधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. सेक्टर नं. 3 ब्लॉक बी है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन लारीख 9-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के आधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थत् —

- श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री नरेश कुमार सिंहल,
नि.-13 रोमें राम, गोड़,
गाजियाबाद (अन्तरक)
- श्रीमती प्रतिभा जैन पत्नी श्री तेज प्रताप जैन,
नि.-3-झी-20, नेहरू नगर,
गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं. 3-बी-15, गाजियाबाद

तारीख : 20-10-84

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

M-1885/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Sector 3 Block B situated at Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 18922 dated 9-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Prem Lata
W/o Narais Kumar Singhal
R/o 13 Romtey Road
Ghaziabad. (Transferor)
2. Smt. Partibha Jain
W/o Shri Taj Pratap Jain
R/o 3rd D-20 Nehru Nagar
Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Plot No. 3rd-B-15 Ghaziabad.

Date : 20-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-107/84-85 —ग्रतः मुझे, जे. पी. बिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब्र के आधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी स. है तथा जो परवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेहराइन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 30-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऊचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का ऊचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, सिखित में वास्तविक रूप से कर्णित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन

कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनस्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा

(1) के आधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री त्रिलोकी नाथ गोप्ता पु० रामचन्द्र दास,
नि. राज पूताना पश्चमी रुड़की,
जि. महारानपुर (अन्तरक)

2. विकास सिमेन्ट कं. लि.,
209 दिल्ली चैम्बर्स० नई दिल्ली
द्वारा एक्टिवास अहमद सिटी पुल श्री फजल अहमद
डाईरेक्टर, विकास सिमेन्ट लि. (मत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मनुसूची

ग्रान्ट प्रगता, परवा जिला-देहराइन

तारीख : 20-10-84

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

M-107/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. . . . situated at Parawali (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 795 dated 30-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Sh. Triloki Nath Goyal
S/o Ram Chander Das,
R/o Rajputana Paschimi-Roorkee,
Distt. Saharanpur (Transferor)
2. Vikash Cement Pvt. Ltd. Company,
209 Delhi, Chambers New Delhi through
Shri Ehtisam Ahmad Sidqi
S/o Fazal Ahmad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Garant Pragana Parwa, Distt. Dehradun.

Date : 20-10-1984

SEAL

*Strike off where not applicable.

880 GI/84-3

कानपुर, 22 अक्टूबर, 1984

निदेश नं. ए. 252/84-85 :—प्रत: मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानवाल सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- से अधिक है और जिसकी सं. . . . है तथा जो नारखों फिरोजाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 25-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से यक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए

प्रत. अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के आधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र पाल सिंह पुत्र ठा० तोषन पाल सिंह, नि. प्रा. एवं पोस्ट जाटउ, फिरोजाबाद (अन्तरक)
2. श्री लट्टरी सिंह पुत्र श्री भागवतं सिंह,

कातिकी फिरोजाबाद, जि. आगरा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती स्थित नारकी फिरोजाबाद

तारीख : 22-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिए)

Kanpur, 22nd October, 1984

A 252/84-85.—Whereas, J. J. P. Hilori being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 5821 situated at Vill. Narkhi, Ferozabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozabad under registration No. 5821 dated 25-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Sri Narendra Pal Singh
S/o Thakur Tokhan Pal R/o Vill. & Distt. Jatav, Ferozabad, Distt Agra (Transferor)
2. Shri Latoori Singh S/o Shri Bhagwant Singh, R/o Remja Majra, Mauja, Narkhi, Post Katiki, Teh. Ferozabad, Distt. Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land at Narkhi, Village Ferozabad.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निम्नेश नं. ए० 253/84-85.—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ए के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1035; 3637 है तथा जो मुस्तकिल आगरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :-

1. श्री मोती लाल गुप्ता, पून लाला लज्जाराम के गुप्ता नि, मोजा मऊ, अग्रारा (अन्तरक)
2. श्री कृष्ण कुंज सहकारी आवास समिति लि., ग्रामरा द्वारा राधा रमन श्रीवास्तव (सचिव) नि, प्रिलीक पुरा लोहा बंडी अग्रारा (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करा हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंग्रेज्स्ताशारी के पास लिखित में किए जा सत्तें।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं. 1035, 36, 37
स्थित ग्राम मऊ, जि. अग्रारा

तारीख : 22-10-84

माहर :

(जा लागू न हो उसे काट दीजिए)

A-253/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilton being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1035, 36, 37 situated at Mastkil Agra (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 9639 dated 17-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Motilal Gupta
S/o Lala Lajja Ram Gupta,
R/o Mauja Mau, Teh. & Distt. Agra.
(Transferor)
2. Kriskna Kunj Sahkari Avas Samiti Ltd. Agra,
Through Radha Raman Srivastava (Secretary)
R/o Billoch Pura, Lohamandi,
Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 1035, 36, 37 at Vill Mau. Distt. Agra.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. ए-254/84-85 :- भरत मुम्हे, जे. पी. हिल्टनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी खसरा नं. . . . है तथा जो कलबारी में स्थित है (प्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अग्रारा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति

का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविकल्पों अधृतः--

1. श्री वेदराम, सोनराम, गम प्रकाश आदि,
नि. ग्राम, कलवारी, जि. ० आगरा (अन्तरक)

2. श्री विश्वेकानन्द महकारी, आवास समिति लि.,
द्वारा श्री, एम० के० पी० शर्मा,
निवासी ३६, अलकापुरी, आगरा (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिवर्त्तिय हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित कलवारी जिला०, आगरा

तारीख 22-10-84

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

A-254/84-85.--Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Kalwari, Agra (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra said Act under registration No. 9044 dated 2-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Ved Ram & Sonaram, & Ramprakash, R/o Vill. Kalwari Distt. Agra. (Transferor)
- Shri Vivekanand Sahkari, Avas Samiti Ltd. through Shri S. K. P. Sharma, R/o. 56, Alkapuri, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Kalwari, Distt. Agra.

Date : 22-10-84

SEAL

"Strike off where not applicable.

निर्देश नं० ए-255/84-85.—अतः मुझे ज० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 619 है तथा जो आयकर नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रागग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्वेषित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग को उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र विश्वमरणाथ (अन्तरक)

नि. 12 राम नगर कालोनी,
आगरा

2. श्री प्रवीन कुमार गुप्ता पुत्र (अन्तरिती)

नरायन प्रसाद गुप्ता, 78/287 गुदड़ी,
मंसूर खां, आगरा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आं० पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उम्मीद अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

अरफानपुर स्थित प्लाट, जिला आगरा

तारीख : 22-10-84

महर

(जो लागू नहीं हो उसे काट दोजिए)

A 255[84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 619 situated at Arfan Pur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra, under registration No. 9538, dated 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Narendra Kumar,
S/o Bishambhar Nath,
R/o 12 Ram Nagar, Colony, Agra (Transferor)
- Shri Praveen Kumar Gupta,
S/o. Narain Pd. Gupta,
78/287 Gudri Mansoor Khan Agra (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Arfan, Distt. Agra.

Date : 22-10-84

SEAL

Strike off where not applicable.

निदेश नं. ए-250/84-85.—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी नं. . . . है तथा जो सर सैयद नगर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अख्तर मुल्तानी पत्नी डा. अनश्वर अहमद निवासी फर श खाना, देल्ही (अन्तरक)

2. श्री जान भोहमद पुत्र नजीर खान, निवासी जाहराबाद, अलीगढ़ (अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीनस्थाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्रापित है, वहीं वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान सर सैयद नगर अलीगढ़

तारीख 22-10-84

मोहर :

(जो नाम न हो उसे काट दीजिए)

A 250/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Sar Sayeed Nagar Aligarh (and more than described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 273 dated 9-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Akhtar Sultan,
W/o. Dr. Anwar Ahmad
R/o Farrash Khana, Delhi (Transferor)
2. Shri Jhon Mohammad,
S/o. Najeer Khan,
R/o Johra Bagh, Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Sir Sayeed Nagar, Aligarh.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश नं० ए-189/84-85.—श्रतः मुझे, जे. पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269बि के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 361/1 है तथा जो सब्जी मण्डी, शिकोहावाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय शिकोहावाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम हो दृश्यमान प्रतिकरण

के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण से अधिक है अन्तर्गत (अन्तर्गतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तर्गत, लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है।

(i) अन्तरण में हर्दी किसी आय की वावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में नभी करने या उसमें बचने में गुणवा के लिए और/या

(ii) ऐसे किसी आय या धन या अन्य अस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुर्विधा के लिए।

अतः यह युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल गफ्फूर पुत्र मो० इमाइल
मो. शब्दीर आदि,
निवासी कटरामोरा, शिकोहावाद, मैनपुरी (अन्तर्गत)
2. श्री बाबू शाह पुत्र अहमद शाह
निवासी विधतीमी, शिकोहावाद, मैनपुरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मैं किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विभी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्दहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 361/1, मध्जी मंडी, शिकोहावाद
तारीख 22-10-84
मोहर
(जो आगे न हो उसे काट दीजिए)

No. A-189/84-85 :—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 361/1 situated at Subzi Mandi Sikohabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikohabad under registration No. 110 dated 9-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Sh. Abdul Gafoor,
S/o. Mohd. Ismile Mohd Sabir etc.
R/o. Katra Meera, Shikohabad,
Distt. Mainpuri. (Transferor)

2. Shri Baboo Shah
S/o. Ahmed, Shah,
R/o. Bikhtauli Teh. Shikohabad,
Distt. Mainpuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the

said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 361/1, at Sabzi Mandi, Shikohabad Distt. Manipuri.

Date : 22-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. ए-190/84-85.—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खं के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है आर जिसकी सं. , गली, नं. है तथा जो शहजल पुर, में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय शिकोहाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और / या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नगर जीत सुपुत्र श्री. जमोपाल यादव
नि. जि. माहानगरशिकोहाबाद (अंतरक)
2. श्री सुभाष नगर सहकारी धावास समिति लि.
द्वारा राजेंद्र सिंह यादव
नि. यादव कालोनी शिकोहाबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से मे किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट शाहजलपुर

शिकोहाबाद

तारीख : 22-10-84

मोहरः

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

No. A 190/84-85.—Whereas, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Shahjalpur (and more fully described in the scheme below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Shikohabad under registration No. 8 dated 2-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Nagar Zeet S/o Shri Jamipal Yadav, R/o Mohd. Moh Nagar, Shikohabad, Distt. Mainpuri.

(Transferor)

2. Suhash Nagar Sahkari Avash Samiti Ltd. Shikohabad through Rajendra Singh Yadav, R/o Yadav Colony, Shikohabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Shagalpur, Shikohabad.

Date : 22-10-84.

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. प-193/84-85.—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक है और जिसकी सं. 2045 है तथा जो चाँको बाग बहादुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कर्णित नहीं किया गया है।

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की वाबन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रामिकों सत्य भामा पत्नी/मुरारी लाल टंडन नि. भरतपुर गेट, मथुरा (अन्तर्गत)
2. श्रोमता निर्मला देवी पत्नी/चंद्रिका प्रसाद नि. चौका बाग बहादुर डेम्पियर नगर, मथुरा (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहन्त्रकारी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

संकान नं. 2045, चौका बाग बहादुर, मथुरा स्थित

तारीख : 22-10-84

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

No. 193/84-85.—Whereas, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe

that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 2045 situated at Choki Bag Bahadur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura under registration No. 294 dated 18-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Satya Bhama, W/o Murari Lal Tandon, R/o Bharatpur Gate, Mathura. (Transferor)
2. Smt. Nirmala Devi W/o Shri Chandrika Pd., R/o Chouki Bag Bahadur, Dampier Nagar, Mathura (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 2045, Chauki Bag Bahadur, Mathura.

Date : 22-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निधेश नं. ए-197/84-85.—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो सिविल लाइंस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शासी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269G के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269G की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुकुन्द लाल मेहरोत्रा एवं
शंकर लाल मेहरोत्रा, सिविल लाइंस, शासी (अंतरक)
2. श्री हुसैन अली, अनबर अली एवं (अंतरितो)
श्रीमती मरियम आदि अंसारी विला
आजाद गंज, सिपरी बाजार, शासी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवक्ति के द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची :

प्लाट सिविल लाइंस, शासी स्थित

तारीख : 22-10-84

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

A-197/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No situated at Civil Lines, Jhansi (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi under registration No. 303 dated 12-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Mukund Lal Mahrotra & Shanker Lal Mehrotra,
R/o Civil Lines, Jhansi

(Transferor)

2. Shri Hussain Ali Anwar Ali & Smt. Marium etc. R/o Ansari Villa Azadganj Seepri Bazar, Jhansi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Civil Lines Jhansi.

Date 22-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. ए-207/84-85 :—प्रत: मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी संलग्नता है तथा जो माकरीत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय इगलास, अलीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, नियित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूचण में, मैं उक्त अधिनियम की ध.रा 269B को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दिवान सिंह एवं मानसिंह आदि नि. रिसमल त. सावाबाद, मधुरा (अंतरक)
2. श्री सत्यपाल एवं गजेंद्र सिंह एवं जयपाल सिंह आदि, नि. सौन. त. एवं जि. मधुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लस्ताशीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती भूमि, मकरीत स्थित

तारीख : 22-10-84

मोहर :

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

A-207/84-85 :—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Makraut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Igles (Aligarh) under

registration No. 20 dated 6-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Dewan Singh, & Man Singh etc.,
R/o Vill. & Per. Rismal,
Teh. Sadabad, Distt. Mathura. (Transferor)
2. Shri Satya Pal & Gajendra Singh
Jaipal Singh etc.
R/o V. & Post Saun, Teh. & Distt.
Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land at Makraut.

Date 22-10-84.

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. प-209/84-85 :—अब युक्त जे पी.,
हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269X के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाद

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिनकी मूल्य है नथा जो अस्थाला में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-1-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विवाद करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरसी (अन्तरतियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए ।

अब उक्त अधिनियम की धारा 269X के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269X की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डोरो लाल पुराधनी राम (प्रतरक) नि. मनोहर पुरा, मथुरा
2. श्री गिरधारी लाल, नारायण लाल जुगल किशोर आदि, नि. बड़ोरा बाजार, मथुरा (असरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 204 में पारमापत हैं, वहाँ अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1631 स्थित, अम्बाला, मथुरा

तारीख 22-10-84

मादूर:

*जो लागू न हो उस काट दीजिए।

A—209/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilli being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Ambala (Mathura) (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura under registration No. 105 dated 6-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Dorilal S/o Dhani Ram
R/o Manohar Pura, Mathura. (Transferor)
2. Shri Girdhari Lal, Narain Dass,
Jugal Kishore etc.,
R/o. Badura Bazar, Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 1631 at Ambala (Mathura)

Date : 22-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. ए-182/84-85:—अतः मुझे, जे.पी. हिलीरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 18/169 है तथा जो कासगंज में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, समर्पित:—

1. श्री विरेन्द्र कुमार पुत्रकौति बंद्र

नि. नाथूराम गली, पचौरिया, कासगंज, एटा
(अम्लारक)

1. श्रीमानपाल सिंह पुत्रकुंदन सिंह
जै जैराम बाजार, सार्टी गेट, कासगंज, (अंतरक)
2. प्रदोष कुमार, रोशन लाल आदि,
नि. मोजा नाथुराम कासगंज, एठा (अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता करने के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ब्लैट, कासगंज

तारीख :- 22-10-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दोजिए]

A-182/84-85:—Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/169 situated at Kasganj (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasganj (Etah) under registration No. 242 dated 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Virendra Kumar,
S/o. Shri Kanti Chand,
R/o. Nothuram Gali Pachauriya Kasganj,
Distt. Etah (Transferor)
2. Shri ManPal Singh, S/o Kundan Singh,
Jai Jai Ram Bazar Sarongate,
Kasganj
Pradeep Kumar Roshanlal etc, (Transferee)
R/o Mauja Nathuram, Kasganj. Etah

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land, in Kasganj.

Date : 22-10-84

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निदेश न. ए-183/84-85 —अत मुझे, जे. पी. हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 878-ए है तथा जो बन्दावत गेट, मथुरा में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथ्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत

में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्यों से पुक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लाए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महंत मुखीराम, चेला चेतनदास नि. परमहंस आश्रम, वृन्दावन, मथुरा (अंतरक)
2. श्री अग्रवाल सेवा संस्थान द्वारा श्री श्याम बिहारी लाल, अष्टक पुक्त सियाराम सराफ नि. तुलसी चबूतरा, मथुरा एवं सेक्टरी भगवान दास, नि. सत्यघारा मथुरा (अंतरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताधीरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाव न. 878-ई/ए

वृन्दावन, जि. मथुरा

तारीख : 22-10-84

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

A—183/84-80 :—Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8/8A situated at Brindavan Gate Mathura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura under registration No. 310 dated 18-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Mahant Mukhi Ram Chela Chetan Dass, R/o Param Hans Ashram, Vrindaban, Distt. Mathura (Transferor)
2. Shri Agarwal Sewa Sansthan Mathura through President Shyam Bearer Lal, S/o Siyaram, Sarraap R/o Tulsi Chabutra Mathura and Secretary, Bhagwandas, R/o Satghara, Mathura, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 878-E/A at Vrindaban Distt. Mathura.

Date 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के 13/के एन पी/84-85—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी म. 107/269 है तथा जो ब्रह्म नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के नद्द प्रतिशत में अधिक है प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बर्खन में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनते में सुविधा के लिए,

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री सत्येश चन्द्र शर्मा पुत्र स्व. मधुरा प्रसाद नि. 107/269, ब्रह्म नगर, कानपुर (अंतरक)
- श्री रमेश कुमार दोक्षिण पुत्र श्री प्रयाग नरायण नि. 110/24, नेहरू नगर, कानपुर (अंतरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

म. नं. 107/269,
ब्रह्म नगर, कानपुर

तारीख : 22-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

K-13|KNP :—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 107/269 situated at Braham Nagar, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2119 dated 16-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

1. Shri Satish Chand Sharma S/o Late Mathura Prasad, 107/269, Braham Nagar, Kanpur. (Transferor)
2. Shri Ramesh Kumar Dixit S/o Shri Prayag Naran, 110/24, Nehru Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein-as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Braham Nagar, Kanpur.

Date :

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-7/84-85.—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 हॉ से अधिक है और जिसकी सं. 12/470 है तथा जो खालिटोली, कानपुर में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से लाख के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्रो अब्दुल हमीद बलद स्व. अब्दुल रज्जाक निवासी: 96/37, कर्मल गंज, कानपुर (अंतरक)
2. श्री अब्दुर्रहमान व फजर्लुर्रहमान पुलगण अल्लोरुर्रहमान तथा सैयद मो. बलू नि. 99/96, बेकन गंज, कानपुर (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्याहियों पूर्ण करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म. नं. 12/470, खालिटोली कानपुर

तारीख : 22-10-84

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दोजिए)

K-7/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12/470 situated at Gwaltoli, Kanpur (and more fully described in the schedule below) has not transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2641 dated 29-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Abdul Hamid,
S/o Late Sri Abdul Rajjaq
96/37, Colouganj, Kanpur. (Transferor)
2. Shri Azizur Rehman & Fazuler Rehaman,
S/o. Khalilur Rehman & Others,
99/96, Bocouganj, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 12/470, Gwaltoli, Kanpur.

Date : 22-10-84

SEAL

Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-1)के एनपी/84-85.—अतः मुझे, जे. पी. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 123/413-I है तथा जो प्रताप गंज कानपुर में स्थित है (और इसमें उपगढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-2-84 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15% से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई, किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (I) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार बसंत सिंह पुत्र सरदार मोहन सिंह नि. 120/857, रंजोत नगर, कानपुर (अंतरक)
2. श्री सरदार भगवंत सिंह 122/6, कबाड़ी बाजार, सरोजनी नगर, कानपुर (अंतरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां प्रारूप करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

म. नं. 123/413-I, प्रताप गंज
गडरियन पुरवा, कानपुर

तारीख : 22-10-84

मोहर :

+ (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

K—1|KNP|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilari, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 123/413 situated at Gadorian Purwa (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 3008 dated 7-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Sardar Basant Singh,
S/o Sardar Mohan Singh,
120/857, Ranjit Nagar, Kanpur (Transferee)
2. Shri Bhagwant Singh,
S/o. Sardar Nopha Singh,
122/6, Sarojinee Nagar, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDELE

House at 123/413, Gadorian Purwa, Kanpur.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निम्न नं के-2/केएनपी/84-85 :-प्रतः मुझे, जे. पी. हीलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं... है तथा जो ... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री अर्जीत कुमार सिंह
415/3, शास्त्री नगर, कानपुर (अन्तरक)

2 डॉ सुधीर कुमार एवं डॉ मविना लूथरा,
117/285 एच ब्लॉक मोडल टाउन,
पाण्डु नगर, कानपुर (अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के डल्लैन के लिए कार्यवाहियां गुरुकरता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखाकारी के पास लिखित में किए गए रहेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान

तारीख 22-10-84

मोहर

+ (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

K 2|KNP|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated.....(and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 3050 dated 14-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1. Shri Ajit Kumar Singh,
415/3, Shashtri Nagar, Kanpur (Transferor)
- 2. Dr. Sudhir Kumar & Dr. Savita Luthra,
117/285, H-Block Model Town, Pandu Nagar,
Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House

Date : 22-10-84

SEAL

+Strike off where not applicable.

निवेश नं. के-508/के-एनपी/84-85 :—अतः मुम्बे, जे.पी. हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के आधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 118/2/17 है तथा जो यसोदा नगर में स्थित है (ओर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता, आयकर के कार्यालय कानपुर में, राजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 24-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधेन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269 व की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री रामाधीन,
128/2/17 यसोदा नगर, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री तपेश्वरी प्रसाद पुत्र राम प्रसाद,

74/1/6 धनकुटी, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्त्ता भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थांवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान 128/2/17

तारीख : 22-10-84

मोहर

+ (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

K 508|KNP|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 128/2/17 situated at Yasoda Nagar (and more fully described in the schedule below has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 1548 dated 24-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Ranadheer,
128/2/17, Yasoda N^ogar, Kanpur (Transferor)
2. Shri Tapeswari Prasad,
S/o Sri Ram Prasad,
74/116, Dhankutti, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 128/2/17.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं० के-526/के एन पी/84-85 :—अतः मुझे, जे.पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व^व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी नं. 3ए/273 है तथा जो नवाबगंज में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंगित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे सूचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री प्रकाश नारायण श्रीवास्तव,
पुत्र माता प्रसाद श्रीवास्तव, एवं नुकेश कुमार एवं अन्य (अन्तरक)
2. श्री भगवानदीन पुत्र राम भरोसे एवं शंकर लाल
7/42, नवाब गंज, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तरस्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नवाबगंज स्थित
तारीख : 22-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. K 526|KNP|83-84.—Whereas, I, J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3A/273 situated at Nawabganj, Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 1915 dated 16-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Prakash Narain Srivastav
S/o Mata Prasad Srivastava, & Shri Mukesh Kumar, S/o Bhagwan Narain & Others.
(Transferor)
2. Shri Bhagwan Das,
S/o Sri Ram Bharosey Shanker Lal,
S/o Sri Ram Bharosey,
2/42, Nawabganj, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Nawabganj, Kanpur.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-10केएनपी/84-85:—ग्रन्त: मुझ, जे.पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उच्च अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं

है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-84 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों की जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269G के प्रत्यु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269G की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दीनानाथ अरोड़ा
24/87, बिरहाना रोड, कानपुर (अन्तर्क)
2. श्री मन्ना लाल गुप्ता
128/37-सी ब्लॉक, किल्वाई नगर,
कानपुर (अन्तरिक्त)

को यह मूलनां जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूलना की नामील 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख : 22-10-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

K 10(KNP) 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in his behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at(and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2297 dated 2-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Dina Nath Arora,
24/87, Birlana Road, Kanpur (Transferor)
2. Shri Munna Lal Gupta,
128/37, C-Block, Kidwai Nagar,
Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं. के-522/के एनपी/84-85:—अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं 2ए/168 है तथा जो आजाद नगर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के हायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धरा या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री गोविंद प्रसाद त्रिवेदी पूनर स्वरूपनाथ लाल, 46/31, हरिया, कानपुर (अन्तरक)
2. श्री डा० बी० क० मुराद श्रीमती गौरी मुरादी, पी-1, मेडिकल कॉलेज, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौद्दासकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान आजाद नगर स्थित

तारीख : 22-10-84

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. K 522[KNP]83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2A[169 situated at Azad Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 522 dated 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Govind Prasad Trivedi, Slo. Late Kanahiya Lal, 46/31, Hatia, Kanpur (Transferor)
2. Shri Dr. B. K. Soor and Smt. Gauri Sood P-I, Medical College, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Azad Nagar, Kanpur.

Date : 22-10-84

SEAL

*Strike off where not applicable.